इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 47 प्रतिशत की छलांग

पंकज मोहिंद्रू बोले- यह रणनीतिक उपलब्धि, 2025-26 तक निर्यात 50 अरब डॉलर तक संभावित

मोबाइल फोन बना रिकॉर्ड वृद्धि का मुख्य स्तंभ

पहली तिमाही में निर्यात 12.4 अरब डॉलर

नयी दिल्ली, 7 अगस्त- भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 47 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 12.4 अरब डॉलर हो गया है. इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 8.43 अरब डॉलर था.

इस वृद्धि का सबसे बड़ा कारण मोबाइल फोन का शानदार प्रदर्शन रहा, जिसका निर्यात 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ लगभग 7.6 अरब डॉलर तक पहुँच गया. पिछले साल इसी अवधि में यह 4.9 अरब डॉलर था. मोबाइल के अलावा, गैर-मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी के निर्यात में भी 37 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई और यह 3.53 अरब डॉलर से बढ़कर 4.8 अरब डॉलर हो गया. इस श्रेणी के प्रमुख उत्पादों में सौर मॉड्यूल, नेटवर्किंग उपकरण, चार्जर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जे शामिल हैं.

> आईसीईए का अनुमान है कि अगर यही रफ्तार जारी रही, तो वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक देश का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 46 से 50 अरब डॉलर के बीच पहुँच सकता है. पिछले एक दशक में भारत में कुल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 2014-15 के 31 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 133 अरब डॉलर हो चुका है, जो इस क्षेत्र में देश की बढ़ती ताकत को दर्शाता है.

आईसीईए के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने इस वृद्धि को एक रणनीतिक राष्ट्रीय उपलब्धि बताया. उन्होंने कहा कि अब असली चुनौती वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रहना और मूल्यवर्धन की तरफ कदम बढ़ाना है. मोहिंद्रू ने उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी हार्डवेयर, पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और ईयरफोन के निर्यात को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया.

बिहार में अडानी का नया पावर प्लांट

भागलपुर में बनेगा 2400 मेगावाट का अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल प्लांट

नयी दिल्ली 07 अगस्त (वार्ता) भारत की प्रमुख विद्युत कंपनी अडानी पावर लिमिटेड को बिहार के भागलपुर जिले में 2400 मेगावाट की एक नई सुपर क्रिटिकल का बिजली परियोजना का ठेका मिला है.

कंपनी ने गुरुवार को बताया कि उसे खुली प्रतिस्पर्धा में बिहार राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) से बिजली आपूर्ति के लिए आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ है.

कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार उत्तर बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और दक्षिण बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) को अडानी पावर की भागलपुर जिले में विकसित होने वाली 2400 मेगावाट की प्रस्तावित नयी ताप विद्युत परियोजना का विकास करेगी और वहां से अनुबंध के अनुसार विद्युत आपूर्ति की जाएगी.

औद्योगिकीकरण को बढ़ावा मिलने की उम्मीद

अडानी पावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस.बी. ख्यालिया ने कहा, हम लगभग तीन अरब डॉलर के निवेश से एक नया ग्रीनफील्ड प्लांट स्थापित करेंगे, जिससे राज्य में औद्योगीकरण को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. हमारा प्लांट एक उन्नत, कम उत्सर्जन वाला अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल प्लांट होगा, और राज्य को भरोसेमंद, प्रतिस्पर्धी मूल्य पर और उच्च गुणवत्ता वाली बिजली की आपूर्ति करेगा.

पेटीएम का एआई से फ्यूचर प्लान

पहली तिमाही में 123 करोड़ का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली, 7 अगस्त. डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम ने घोषणा की है कि वह कृत्रिम मेधा को अपनी संचालन प्रणाली और उत्पादों का मूल आधार बनाकर भुगतान प्रणाली के भविष्य को नया स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है. पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय शर्मा ने शेयरधारकों को भेजे गए अपने वार्षिक पत्र में इस बात पर जोर दिया.

शर्मा ने कहा, हम नवोन्मेषी और दूरदर्शी सोच के अपने डीएनए पर कायम हैं. हमारी एआई-आधारित पूर्ण भुगतान प्रणाली ने कारोबारियों के भुगतान स्वीकार करने, कारोबार संचालन और ग्राहकों की सेवा के तरीके को नए सिरे से परिभाषित किया है. हम हर उत्पाद और प्रक्रिया में एआई-प्रथम नज़रिया अपनाने को लेकर अडिग हैं. पेटीएम ने अपने मंच पर एआई का उपयोग व्यापारी पंजीकरण, लेनदेन निगरानी और ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्रों में गहराई से किया है. शर्मा ने यह भी बताया कि यूपीआई सफलता दर को बेहतर बनाने के लिए कंपनी ने बैंक भागीदारों के साथ प्रौद्योगिकी का गहन एकीकरण किया है.

> शर्मा ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में कंपनी ने 123 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज कर लाभप्रदता का महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है. यह कंपनी की रणनीतिक दिशा और अनुशासित कार्यप्रणाली का परिणाम है.

अमेरिकी शुल्क से भारत पर मामूली असर : मार्क मोबियस

नई दिल्ली, 7 अगस्त. अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए आगामी 50 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) का देश पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा. उन्होंने इसके पीछे भारत के विशाल घरेलू बाजार और चीन की तुलना में निर्यात पर कम निर्भरता को मुख्य कारण बताया.समाचार एजेंसी से बात करते हुए मोबियस - जो मोबियस इमर्जिंग मार्केट्स ऑपर्च्युनिटीज़ फंड का प्रबंधन करते हैं - ने कहा कि भारत कई अन्य देशों की तुलना में इन नए शुल्कों के प्रभावों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में है. उन्होंने कहा, भारत का एक विशाल घरेलू बाजार है और यह चीन की तरह निर्यात पर निर्भर नहीं करता.

अंबानी ने पांचवें साल भी नहीं ली सैलरी

मुंबई, 7 अगस्त.दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने लगातार पांचवें साल भी कंपनी से कोई वेतन नहीं लिया है.

अंबानी ने वित्त वर्ष 2020-21 के बाद से अपनी पूरी सैलरी छोड़ दी है. यह फैसला उन्होंने कोरोना महामारी के बाद उत्पन्न हुई गंभीर परिस्थितियों के कारण स्वेच्छा से लिया था, जिसमें उन्होंने सभी प्रकार के भत्ते, सेवानिवृत्ति लाभ और किसी भी तरह के कमीशन को शामिल किया था.

रिलायंस की वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कोरोना महामारी ने भारत के सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक हालात पर गहरा असर डाला था. इससे पहले, वित्त वर्ष 2008-09 से 2019-20 तक, मुकेश अंबानी ने प्रबंधकीय स्तर पर उद्योग और कंपनी के लिए एक व्यक्तिगत उदाहरण स्थापित करने के उद्देश्य से अपना वार्षिक पारिश्रमिक 15 करोड़ रुपये पर सीमित रखा था.

> **अन्य कार्यकारी निदेशकों का पारिश्रमिक**
>
> रिलायंस की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के कार्यकारी निदेशक निखिल मेसवानी को कुल 25 करोड़ रुपये सालाना वेतन और अन्य मदों में मिलते हैं. वहीं, उनके छोटे भाई हितल मेसवानी का वेतन भी 25 करोड़ रुपये ही है. रिलायंस के एक अन्य कार्यकारी निदेशक पी एम एस प्रसाद को लगभग 20 करोड़ रुपये वेतन और अन्य मदों में प्राप्त होते हैं.

जियो का एमपी-सीजी में दबदबा कायम

हाई-स्पीड इंटरनेट से जुड़े 14 लाख से ज्यादा घर

जून 2025 में जोड़े 4.2 लाख मोबाइल ग्राहक

भोपाल, 7 अगस्त. रिलायंस जियो ने मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ टेलीकॉम सर्किल में अपनी बादशाहत बरकरार रखी है. भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण की जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने एक बार फिर दोनों राज्यों में सबसे ज़्यादा मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहक जोड़े हैं.

कंपनी ने जून 2025 में 4.2 लाख नए मोबाइल ग्राहक जोड़े, जबकि जियो फाइबर और फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस जियो एयरफाइबर ब्रॉडबैंड सेवाओं से 46 हज़ार से अधिक ग्राहक जुड़े. इसी अवधि में एयरटेल के ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या में केवल 16 हज़ार का इज़ाफ़ा हुआ.

ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में सभी टेलीकॉम कंपनियों के कुल मोबाइल ग्राहकों की संख्या 8.1 करोड़ से अधिक हो गई है. वहीं, एफडब्ल्यूए और वायरलाइन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 26 लाख से ज़्यादा है. इनमें से जियो के मोबाइल ग्राहक 4.6 करोड़ से अधिक हैं और ब्रॉडबैंड ग्राहक 14.4 लाख से ज़्यादा.

> **दुर्गम क्षेत्रों में तेज़ इंटरनेट का पसंदीदा विकल्प**
>
> फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) को सरल शब्दों में घरों और दफ्तरों में उपलब्ध वाई-फाई सेवा कहा जाता है. जियो एयरफाइबर उच्च गति की इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जो विशेष रूप से उन दुर्गम क्षेत्रों में उपयोगी है जहां फाइबर रोल आउट में समय लग सकता है. इसी वजह से जियो एयरफाइबर तेज़ इंटरनेट एक्सेस चाहने वाले ग्राहकों के लिए एक पसंदीदा विकल्प बन गया है.

अमेरिकी टैक्स से बाजार में भूचाल

मुंबई, 07 अगस्त (वार्ता) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क 25 प्रतिशत और बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के बाद गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली रही.

बीएसई का शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स खबर लिखे जाते समय 399.46 अंक लुढ़ककर 80,144.53 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 130.60 अंक गिरकर 24,443.60 अंक पर आ गया.निफ्टी नीचे 24,387.55 अंक और ऊपर 24,464.20 अंक तक गया. सेंसेक्स भी एक समय 79,979.05 अंक को छूने के बाद ऊपर 80,421.84 अंक तक गया.

80 हजार से नीचे लुढ़का सेंसेक्स | 130 अंकों की निफ्टी में आई गिरावट

चावल सस्ता, दालों-खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव, चीनी स्थिर

नयी दिल्ली, 07 अगस्त (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के दाम बढ़ गये जबकि गेहूँ की औसत कीमतों में स्थिरता रही. दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा जबकि चीनी की कीमत स्थिर रही. विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा 26 रिंगिट गिरकर 4,241 रिंगिट प्रति टन बोला गया. अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.45 प्रतिशत टूटकर 53.38 डॉलर के भाव बोला गया.

भारत बनेगा खनिजों का अगला हब

नयी दिल्ली, 7 अगस्त (वार्ता) खनन क्षेत्र के दिग्गज वेदांता समूह के प्रमुख अनिल अग्रवाल में कहा है कि भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन में अग्रणी बनने की क्षमता है.वेदांता लि. के अध्यक्ष अग्रवाल ने यह बात ऐसे समय कही है जबकि दुनिया भर की सरकारें चीन पर निर्भरता कम करने के प्रयास में महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन के लिए सहयोग बढ़ा रही हैं.

चीन वर्तमान में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर हावी है.अग्रवाल एक सोशल मीडिया पोस्ट में महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में इस प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा, ऑस्ट्रेलिया से लेकर अमेरिका तक, सरकारें महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन का सक्रिय रूप से समर्थन कर रही हैं.

चीन पर निर्भरता घटाने की होड़ तेज

ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका ने बढ़ाया खनिज समर्थन

समाचार विशेष

महायुति में एकनाथ शिंदे की स्थिति डाँवाडोल!

दिल्ली से खाली हाथ लौटे डिप्टी सीएम

मुंबई. शिवसेना में ऐतिहासिक बगावत के समय कई विधायकों ने बड़ी अपेक्षा के साथ एकनाथ शिंदे का साथ दिया था. लेकिन लगातार दूसरी बार सरकार में शामिल होने के बाद भी शिंदे अभी तक कुछ ही विधायकों के मंत्री बनने का सपना पूरा कर पाए हैं. उस पर पर डीसीएम शिंदे के कई मंत्रियों पर मंत्रिपद छिनने की तलवार लटक रही है.

इसी पृष्ठभूमि में शिंदे बुधवार को दूसरी बार दिल्ली गए थे लेकिन वहां से उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा है. इससे ऐसी अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं कि महायुति में शिंदे की पकड़ ढीली पड़ने लगी है.

उद्धव ठाकरे के नेतृत्ववाली महाविकास आघाड़ी सरकार का 'तख्तापलट' करने में अहम भूमिका निभाने वाले शिंदे को कम विधायक होने के बाद भी बीजेपी ने पिछली महायुति सरकार का सीएम बनाया था. लेकिन 2024 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को राज्य में पहली बार रिकॉर्ड 132 सीटों पर जीत मिली थी. इसके बाद बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने देवेंद्र फडणवीस को राज्य का नया मुख्यमंत्री बना दिया जबकि एकनाथ शिंदे को उप मुख्यमंत्री के पद से संतोष करना पड़ा है. शिवसेना के मंत्रियों के विवादों की वजह से महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का महत्व घट गया है. क्योंकि मंत्रियों के विवादों के कारण महायुति सरकार की काफी किरकिरी हुई है तथा सभी को हटाने की मांग विपक्ष की ओर से लगातार की जा रही है.

> **शिरसाट, कदम, राठौड़ के विवाद में फंसा शिंदे गुट**
>
> महाराष्ट्र विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान महायुति सरकार में शामिल शिवसेना शिंदे गुट के मंत्री संजय शिरसाट का अपने घर में नोटों के बंडल के साथ वीडियो वायरल हुआ था. छत्रपति संभाजीनगर के होटल वीआईटीएस (विट्स) की बिक्री में हुई कथित धांधली के कारण विवादों में घिरे मंत्री संजय शिरसाट की मुश्किलें विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान वायरल हुए एक वीडियो के कारण और बढ़ गई थीं. वीडियो में शिरसाट अपने कमरे में नोटों से भरे बैग के साथ बैठे नजर आए थे. इसी तरह अवैध रेत खनन तथा मां के नाम पर डांस बार के मुद्दे के कारण राज्यमंत्री योगेश कदम विपक्ष खासकर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के निशाने पर आ गए थे.

तमिल नेताओं का बिहार विरोध

प्रवासी मजदूरों को उनके यहां मतदाता बनाने पर हंगामा

नई दिल्ली. तमिलनाडु के नेताओं का बिहार विरोध समझ से परे है. एक तरफ तमिलनाडु के नेता प्रदेश में इस बात पर हंगामा खड़ा कर रहे हैं कि प्रवासी मजदूरों को उनके यहां मतदाता क्यों बनाया जा रहा है तो दूसरी ओर तमिलनाडु के नेता दिल्ली में भी इसका मुद्दा बनाए हुए हैं.

कांग्रेस के बड़े नेता और देश के वित्त व गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम ने इसे मुद्दा बनाया है. चिदंबरम ने रविवार को इस बारे में विस्तार से सोशल मीडिया पोस्ट लिखा. उन्होंने तमिलनाडु में साढ़े छह लाख बिहारी मतदाता जोड़े जाने को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जोड़ दिया, जबकि चुनाव आयोग ने अभी तमिलनाडु में इसकी प्रक्रिया शुरू भी नहीं की है. वे इस बात से नाराज हो रहे थे कि प्रवासी मजदूरों को क्यों उनके कामकाज की जगह मतदाता बनाया जा रहा है.

चिदंबरम चाहते हैं कि मजदूर वोट डालने अपने गांव जाएं. उन्होंने लिखा कि क्या छठ में मजदूर बिहार नहीं जाएंगे, तो वे वहां वोट डाल दें.

सवाल है कि अगर छठ से समय चुनाव नहीं हो तो मजदूर क्या करें और क्या छठ के समय सारे मजदूर बिहार चले जाते हैं? चिदंबरम ने अपने बिहार, हिंदी या उत्तर भारत के विरोध में यह भी नहीं देखा कि तमिलनाडु के कितने लोग अपने राज्य के बाहर दूसरे राज्य में मतदाता हैं.

तेज प्रताप यादव की महुआ में वापसी!

राधा बिहारी गजेन्द्र मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ शुरू किया जनसंवाद

पटना. वैशाली में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपने पुराने निर्वाचन क्षेत्र महुआ पहुंचे. उन्होंने वहां पहुंचकर महुआ की धरती को प्रणाम किया. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने तेज प्रताप यादव का स्वागत किया. तेज प्रताप के समर्थकों में काफी उत्साह देखने को मिला.

तेज प्रताप के दौरे के दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. उनके समर्थकों में काफी उत्साह देखा गया. वे महुआ विधानसभा क्षेत्र के सात अलग-अलग स्थानों पर जनसंवाद कार्यक्रम कर रहे हैं. तेज प्रताप यादव पहली बार वर्ष 2015 में राजद के टिकट पर महुआ से विधायक चुने गए थे और बाद में बिहार सरकार में स्वास्थ्य मंत्री भी बने. हालाँकि, अनुष्का प्रकरण और पारिवारिक विवाद के चलते उन्हें पार्टी और परिवार दोनों से दूरी बनानी पड़ी.

इसके बाद उन्होंने अपनी अलग टीम तेज प्रताप बनाई. अब एक बार फिर से वे महुआ क्षेत्र से आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. इस दौरे को स्थानीय राजनीति में तेज प्रताप की राजनीतिक वापसी का संकेत माना जा रहा है. इस बीच उनका जयचंद बयान भी बिहार की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है. बता दें कि तेज प्रताप ने सबसे पहले राधा बिहारी गजेन्द्र मंदिर में पूजा की. वे महुआ विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग सात जगहों पर जनसंवाद किये. उनका जयचंद वाला बयान राजनीतिक माहौल में चर्चा का विषय बना हुआ है.

विशेष | **प्रशांत किशोर को मिला कई कद्दावर नेताओं का साथ**

भाजपा और कांग्रेस में मची उथल-पुथल

पटना. जन सुराज पार्टी ने शुक्रवार पटना के बेली रोड स्थित शेखपुरा हाउस में मिलन समारोह आयोजित किया. कार्यक्रम में पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर की मौजूदगी में भाजपा के महामंत्री रहे सुधीर शर्मा, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष रहीं विनीता मिश्रा और समस्तीपुर निवासी युवा उद्यमी चेतना झांब समेत कई राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं और विभिन्न जिलों के गणमान्य सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तियों ने जन सुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने सभी को पीला गमछा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया.

प्रशांत किशोर ने कहा कि हम किसी के विरोध में नहीं हैं. जन सुराज में वो लोग आ रहे जो बेहतर व्यवस्था बनाना चाहते हैं. हम चाहते हैं कि बिहार सुधरे. हम चाहते हैं कि कर्नाटक-गुजरात की तरह बिहार में भी विकास हो. हमलोग उपरवाले की प्रेरणा से काम कर रहे हैं. भाजपा में जिस चाल चरित्र चेहरा की बात होती थी, उस चेहरे वाले लोग अब जन सुराज में दिख रहे हैं. अभिमन्यु का उदाहरण देते कहा कि उसके बलिदान की ही चर्चा होती है, उसे घेर कर मारने वालों की चर्चा नहीं होती.

प्रशांत किशोर ने कहा कि नवंबर के बाद जदयू के सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं का आखिरी रास्ता जन सुराज में ही होना है. ऐसा इसलिए कि अब नीतीश कुमार भी पीला रंग के बस में घूमने लगे हैं. सभी जगह जो पोस्टर लग रहे हैं वो भी पीला रंग का ही है. यह देखकर लोग समझ रहे हैं कि इनका अगला रास्ता जन सुराज में है.

मिलन समारोह में सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने कहा कि आज बिहार भर के लोग यह जान रहे हैं कि उनकी समस्याओं का समाधान जन सुराज ही कर सकती है.

> **ये लोग हुए जन सुराज में शामिल**
>
> जन सुराज पार्टी में आज शामिल होनेवालों में अन्य लोगों में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी पल्लव कुमार सिंह गोपालगंज के फिजीशियन डॉ शशि शेखर शर्मा, सीतामढ़ी निवासी दिल्ली यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ. सोमेंद्र कुमार सिंह, पटना महावीर मंदिर के मुख्य पुजारी रहे उमाशंकर दास शास्त्री, सारण निवासी अकादमिक स्तर पर सक्रिय रहे अमितेश कुमार, कटिहार के सामाजिक कार्यकर्ता विश्वजीत भारती, उद्यमी रिंकू गिरी, पटना हाई कोर्ट के वकील राजेश कुमार मिश्रा, पश्चिम चंपारण के कांग्रेस जिलाध्यक्ष रहे अजय गिरी शामिल हैं.